साहेब रउरी नोकरी में

साहेब रउरी नोकरी में बड़ी सुख पाइले।
साहेब रउरी नोकरी में बड़ी सुख पाइले।

वाटे बाटे जाइले , त्रिवेणी नहाइले,
झर झर मोती बरसे ,चुनि चुनि खाइले,
साहेब रउरी नौकरी में बड़ी सुख पाइले...

अष्ट चक्र सोधि सोधि ,गगन में समाइले,
घट ही में करता पुरुष ,चन्द्र दरशाइले,
साहेब रउरी नौकरी में बड़ी सुख पाइले....

घट अंधियारा पंथ नाहिं सूझै,
जगमग ज्योति जहाँ हिरवा जराइले,
साहेब रउरी नौकरी में बड़ी सुख पाइले....

द्वादस कोसवा पर ,संयाजी वस्तु है,
वाही पुरुषवा के ध्यान हम लगाइले,
साहेब रउरी नौकरी में बड़ी सुख पाइले....

कहत कबीर सुनो भाई साधो ,
निशि दिन गुरूजी के चरण दबाइले,
साहेब रउरी नोकरी में बड़ा सुख पाइले,
साहेब रउरी नौकरी में बड़ी सुख पाइले.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22836/title/saheb-rauri-naukri-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |